

क्षमा सदगुरु देवाय नमः कृ कृ ओऽम् कृ कृ जय माता दी कृ कृ सीताराम बाबा जी कृ कृ जय बाबा की कृ कृ श्याम बाबा कृ कृ कृ ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! कृ कृ ब उत्तराखण्ड भरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त

उत्तराखण्ड सिद्धोः सलिलं सलीलं, यःशौकवहि जनकात्मजाया: * आदाय तेनैव ददाह लंकां, नपामि तं प्राज्ञलिराज्ञेयम् * मनोजवं मारुतं तुल्यं वेगं, जितेन्द्रियं वृद्धिमतो वरिष्ठम्. * वातात्मजं वानरस्यूषं मुख्यं, श्रीराम दूरं शरणं प्रवद्ये कं

हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तराखण्ड दर्पण

अंक 272 पृष्ठ 8 रविवार 9 जुलाई 2023

वर्ष 23 अंक 272

रुद्रपुर(ऊधमसिंहनगर)

रविवार

9 जुलाई 2023

मूल्य दो रुपया

darpan.rdr@gmail.com

9897427585

UTTARANCHAL DARPARAN

www.uttaranchaldarpan.in

**GAGNEJA
PROPERTIES**

CONTACT FOR
SALE, PURCHASE
RENT & LEASE

✓ Shops ✓ Houses
✓ Industrial Property
✓ Commercial Property
✓ Agriculture Land

REAL ESTATE
WITHOUT THE HASSLE

MO.-8630672525, 8279444462
ADD- SRA F69, Shop No.4,
Adarsh Colony, Rudrapur

महिला संग प्रधान का अरलील वीडियो वायरल

उधमसिंहनगर(उद संवाददाता)। महिला के साथ अवैध सम्बन्ध बनाते एक प्रधान का कथित वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। आरोपी ग्राम प्रधान एक शिक्षक भी है। यह मामला शक्तिफार्म क्षेत्र का बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें ग्राम प्रधान महिला के साथ अवैध सम्बन्ध बनाते हुए साफ दिखाई दे रहा है। अवैध सम्बन्ध बना रहे व्यक्ति ने सर्दियों के कपड़े पहने हुये हैं। जिससे साफ होता है कि यह वीडियो हाल फिलहाल का नहीं है बल्कि पुराना सर्दी के मौसम का है। बताया जा रहा है कि आरोपी ग्राम प्रधान शक्तिफार्म के किसी

भारी बारिश से मकान ध्वस्त, दंपति की मौत

आधी रात भरभराकर गिरी छत, प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे, युवती घायल



काशीपुर(उद संवाददाता)। कुंडा थाना क्षेत्र के ग्राम मिस्सरवाला में आधी रात के बाद लगभग 2:30 बजे तेज हवाओं के साथ हो रही मूसलाधार बारिश के बीच मकान भरभरा ध्वस्त हो गया। मलबे की चपेट में दम कर बृद्ध दंपति की मौके पर ही मौत हो गई जबकि एक युवती गंभीर रूप से घायल हुई जिसे उपचार के लिए नगर के मुरादाबाद रोड स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना जैसे ही प्रशासनिक अधिकारियों को मिली

पहुंच गए। पुलिस ने मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर अंत्य परीक्षण के लिए उसे

पोस्टमार्टम हाउस भिजवाया जहां से

पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। अक्सरात घाटी घटना को लेकर मृतक परिवार में कोहराम मचा है।

जानकारी के मुताबिक कुंडा थाना क्षेत्र के ग्राम मिस्सरवाला निवासी नसीर अहमद 65 वर्ष अपनी पत्नी मोहम्मदी 60 वर्ष तथा नवासी मंतसा 18 वर्ष के साथ रोजाना की भाँति घर के कमरे में सोए हुए थे इसी दौरान रात्रि लगभग 2:30 बजे मूसलाधार बारिश और तेज हवाओं के बीच तीन कमरे और बरामदे का पक्का मकान अचानक भरभरा कर गिर गया। इस दौरान मलबे में दबकर दंपति की मौके पर ही मौत हो गई जबकि मृतक की निवासी मंतसा के दोनों पैर कूलहा व पहली टूट जाने से वह गंभीर रूप से घायल हुई जिसे उपचार के लिए तकाल राजकीय चिकित्सालय ले जाया गया जहां युवती की हालत को नाजुक देखते हुए उसे चिकित्सकों (शेष पेज सात पर)

क्षेत्र में चर्चाओं का बाजार गरम सर्दियों का लग रहा है वीडियो

क्षेत्र का ग्राम प्रधान है और वह किसी स्कूल का अध्यापक भी है। वीडियो में दिख रहा व्यक्ति ग्राम प्रधान ही है या कोई और यह तो जांच का विषय है। फिलहाल क्षेत्र में यह वीडियो पूरी तरह से वायरल हो चुका है। लोगों में इस वीडियो को लेकर चर्चाओं का बाजार गरम है।

उनका कहना है कि यदि शिक्षक ही ऐसा अनैतिक कार्य करेगा तो बच्चों पर इसका क्या असर पड़ेगा। बच्चों को ज्ञान का पाठ पढ़ाते -पढ़ाते शिक्षक खुद ही सही और गलत कार्य में अन्तर करना भूल गया। महिला के साथ ग्राम प्रधान का

अश्लील वीडियो सामने आने के बाद क्षेत्र के लोगों में काफी गुस्सा है और वह ग्राम प्रधान के खिलाफ मोर्चा खोलने की तैयारी में है। बहरहाल वीडियो को देखने के बाद इतना साफ है कि ग्राम प्रधान महिला की रजामंदी से अवैध सम्बन्ध बना रहा है और यह वीडियो घर के अन्दर का है। वीडियो कई माह पुराना और सर्दियों का है और इसके कई माह बाद सोशल मीडिया पर वायरल होने के कई माहने निकाले जा रहे हैं। कुछ इसे राजनीतिक दृष्टि से देख रहे हैं तो वही इसे ब्लैकमेलिंग से भी जोड़ा जा रहा है। इस वीडियो में दिख रहा व्यक्ति ग्राम प्रधान और शिक्षक ही है इसकी हम पुष्टि नहीं कर रहे हैं। यह जांच का विषय है।

नदी में गिरी मैक्स, तीन शव निकाले, तीन लापता

ऋषिकेश (उद संवाददाता)। उत्तराखण्ड के ऋषिकेश के थाना मुनि की रेती में रविवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। सोनप्रयाग से ऋषिकेश आ रही एक मैक्स नदी में गिर गई। गाड़ी में 11 लोग सवार थे। सूचना मिलते ही पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने तीन शव निकाल लिए हैं। जबकि तीन लापता हैं। अन्य पांच लोगों को उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, ऋषिकेश के थाना मुनि की रेती की चौकी ब्यासी पर सूचना मिली कि सोनप्रयाग से ऋषिकेश आ रही एक मैक्स गाड़ी मालाकुंती पुल से होटल अनंद काशी के बीच में राष्ट्रीय राजमार्ग से नीचे नदी में गिर गई। गाड़ी में चालक समेत 11 लोग सवार थे। सूचना मिलते ही मौके पर थाना पुलिस और एसडीआरएफ की टीम पहुंची। टीम ने नदी से पांच लोगों (शेष पेज सात पर)

उत्तराखण्ड की सबसे बड़ी इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेल चेन



Budget Ac Premium Split Ac Mid-Range Split Ac Heavy-Duty Split Ac

SONY Whirlpool SAMSUNG IFB Haier BOSCH VOLTAS

DAIKIN HITACHI MITSUBISHI ELECTRIC GENERAL LLOYD BLUE STAR

Refrigerator की सबसे बड़ी टेंज उपलब्ध

Deep Freezer की सबसे बड़ी टेंज उपलब्ध

RO Purifier की सबसे बड़ी टेंज उपलब्ध

Water Dispencer की सबसे बड़ी टेंज उपलब्ध

Air Cooler की सबसे बड़ी टेंज उपलब्ध

Easy EMI Options Available

गर्मियों में ठंड जैसी राहत
गुरुजी मा
36 महीने तक की EMI उपलब्ध

Budget Ac

Premium Split Ac

Mid-Range Split Ac

Heavy-Duty Split Ac

Refrigerator की सबसे बड़ी टेंज उपलब्ध

Deep Freezer की सबसे बड़ी टेंज उपलब्ध

RO Purifier की सबसे बड़ी टेंज उपलब्ध

Water Dispencer की सबसे बड़ी टेंज उपलब्ध

Air Cooler की सबसे बड़ी टेंज उपलब्ध



रस्म पगड़ी

बड़े दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि मेरे पूज्य पिता श्री श्याम सुंदर खना जी पुत्र स्व. प्रेमदास खना का स्वर्गवास दिनांक 8-7-2023 को हो गया है। जिनकी रस्म पगड़ी दिनांक 11-7-2023 मंगलवार को दोपहर 2 बजे से 3 बजे तक श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर (पांच मंदिर), रुद्रपुर में होगी।

रोकाकुल परिवार

अंजू-राजेश आनन्द (पुत्री-दामाद)
शालिनी-राजीव खना (पुत्री-दामाद)
आकाश, आशिंशा (दौत्रा-दौत्री)
निखिल, निकिता (दौत्रा-दौत्री)

रोहित खना- प्रीति (पुत्र- पुत्र वधु)
अक्षय, तुशाली (पौत्र- पौत्री)
एवं समस्त खना एवं वासन परिवार
फर्म - ऊषा स्टील, रुद्रपुर मो- 9927088109, 7830080999

जलभराव से रोषित लोगों का निगम के खिलाफ प्रदर्शन

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। जलभराव से आक्रोशित बार्ड नंबर 32 भूरारानी के लोगों ने पार्श्व मोहनखेड़ा के नेतृत्व में नगर निगम के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया और चेतावनी दी यदि श्रीप्री ही जलनिकासी की व्यवस्था के साथ नगर निगम से स्वीकृत कार्य पूरे नहीं कराए गए तो वह आंदोलन को बाध्य होगा। पिछले कुछ दिनों से हो रही बरसात के कारण भूरारानी स्थित आरएन पब्लिक स्कूल और सत्यनारायण

जपघोषों के साथ अमरनाथ यात्री रवाना



रुद्रपुर (उद संवाददाता)। श्री अमरनाथ यात्रा मंडल के तत्वाधान में आज अमरनाथ की 18 वीं यात्रा प्रारम्भ हुई। भगवान शंकर के जपघोषों के साथ आज करीब डेढ़ सौ यात्री तीन वाहनों से बाबा अमरनाथ की यात्रा के लिए रवाना हुए। अमरनाथ सेवा मण्डल द्वारा हर वर्ष आज की यात्रा को भास्ति इस वर्ष भी अमरनाथ यात्रा के लिए रवाना किया गया।

अवैध खनन से भरे वाहन को किया सीज

शक्तिफार्म (उद संवाददाता)। प्रभागीय वनाधिकारी तराई पूर्वी हल्द्वानी एवं उप प्रभागीय वनाधिकारी, गौला के दिशा-निर्देशन में बन अपराध

नियंत्रण हेतु चलाए जा रहे अभियान मानसून गश्त के तहत वन सुरक्षा दल प्रधारी श्री प्रमोद सिंह बिट के नेतृत्व में टीम शनिवार को किंच्छा सितारांज मार्ग पर नियमित गश्त पर थी। टीम को लगभग 10.53 पर एक 16 टायरा ट्रक तेजी से आता हुआ दिखाई दिया, उक्त ट्रक को जांच हेतु रोकने का इशारा किया गया।

टीम को देखकर वाहन चालक

पाया। वाहन 16 टायरा ट्रक संख्या UP26T & 9526 की खाना तलाशी लेने पर वाहन उक्त में रेता

चालक/ स्वामी द्वारा भारतीय वन अधिनियम 1927 (उत्तरांचल संशोधन 2001) की धारा 41,42 के अंतर्गत

दंडनीय अपराध किया गया है। उक्त वाहन को टीम द्वारा अपनी अभिक्षा में लेकर विभागीय संसाधनों की सहायता से ढोला वन चौकी परिसर में मुजाहिद वन बोट अधिकारी बाराकोली रेंज की सुपुर्दी में अग्रिम विधिक कार्यवाही हेतु सुरक्षित खड़ा कर दिया गया है। टीम में दिनेश चंद्र बुध लाकोटी वन दरोगा, पान डर की वजह से वाहन को मार्ग के लगभग 600 कुंटल लदा था तथा वाहन किनारे रोककर भागने लगा, टीम द्वारा में रेता अभिवहन संबंधी कोई भी वैध प्रपत्र नहीं पाए गये, वाहन उक्त के

सिंह मेंहता, वन दरोगा, सोनू कुमार वन आरक्षी, नरेंद्र पांडे वन आरक्षी वाहन चालक चंदन सिंह मौजूद थे।



से हर वर्ष अमरनाथ की यात्रा के लिये लोग रुद्रपुर से जाते हैं और इस प्रकार का श्रद्धा भाव दर्शाता है कि भगवान महादेव बाबा बर्फानी में हम सभी की बहुत बड़ी आस्था है, इन सभी के सुरक्षित सुखमय मंगल यात्रा की कामना करते हैं। कांवड़ यात्रियों को शुभकामनायें देते हुए विधिक शिव अरोरा, उत्तरांचल युवा पंजाबी

महासभा अध्यक्ष भारत भूषण चुध, गुलशन छावडा, हरीश जलहोत्रा, सतीश दुआ, राजू नारंग, राजू हुडिया, चुनीलाल चुध, मेयर रामपाल सिंह, विकास शर्मा, प्रीति धीर, अशोक गाबा, रमेश गांधी आदि ने विदाई दी। इससे पूर्व पांच मंदिर में सभी श्रद्धालुओं ने विधिविधान से पूजा

चुध, अजय लूथरा, नितिश धीर, अक्षय गाबा, साहिल ग्रोवर, मनीष कातरा, सचिन मदान, गौरव अरोरा, रोहन जग्गा, रजत वर्मा, पूजा सहगल, माही सहगल, कीर्ति मधवाल, ईशा चौहान, निशा बत्रा, दिव्यांशी, रितू छावडा, मनीषा रानी, नीतू नागपाल, सविता अरोरा, मनाली तुकराल, भावना छावडा, कपिल अरोरा, मनीष अर्चना की। जिसके बाद ढोल के साथ

श्रद्धालुओं का माल्यार्पण कर शोभा यात्रा

के रूप में जयघोष करते हुए मुख्य बाजार से होते हुए रोडवेज स्टेशन के समक्ष पहुंचाया गया। जहां से श्रद्धालु अनेक बसों से अमरनाथ यात्रा के लिए रवाना हुए। रवाना होने वाले श्रद्धालुओं में सुनील दुकराल, अजय चड्डा, अंकित नरूला, भावना छावडा, कपिल अरोरा, मनीष

चुध, अजय लूथरा, नितिश धीर, अक्षय गाबा, साहिल ग्रोवर, मनीष कातरा, सचिन मदान, गौरव अरोरा, रोहन जग्गा, रजत वर्मा, पूजा सहगल, माही सहगल, कीर्ति मधवाल, ईशा चौहान, निशा बत्रा, दिव्यांशी, रितू छावडा, मनीषा रानी, नीतू नागपाल, सविता अरोरा, मनाली तुकराल, पावनी मनोचा आदि शामिल थे।

अनुदान में ट्रेक्टर दिलाने के नाम पर दो लाख ठगे

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। भारत सरकार द्वारा थारू जनजाति के छोटे किसानों को अनुदान पर ट्रेक्टर देने की

माध्यम से ट्रेक्टर दिया जा रहा है। जिसके लिए हर किसान को दो लाख रुपए, जमीन की खसरा खत्तौनी, पहचान पत्र व दो फोटो जमा करानी होगी। महेश ने बताया उनकी बातों पर विश्वास करके उसने सारी औपचारिकताएं पूरी कर दी। दो लाख रुपये एवं आवश्यक कागजात लेकर उन्होंने उसे महक मशीनरी स्टोर ट्रैक्टर सप्लाई रुद्रपुर बुलाया तथा वहाँ से उसे मैग्मा फिनक्राप कार्यालय हल्द्वानी ले गए। पैसा लेकर व अन्य विभिन्न कागजों व स्टाम्पों में हस्ताक्षर कराने तथा सितारांज स्थित देना बैंक की शाखा में उसका खाता खुलवाकर चौक बुक जारी करवाकर सभी सादा चौकों पर उसके हस्ताक्षर कराकर फिनक्राप कंपनी को लोकाता के

करने की बात कहकर चौक बुक अपने पास रख ली। परंतु उसे कोई ट्रैक्टर नहीं मिला। बल्कि साजिश करके मैग्मा फाइनेंस कम्पनी कारपोरेशन लिंग द्वारा उसके विरुद्ध मुख्य मेंट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट, कोलकाता के न्यायालय में वसूली का बाद दायर कर दिया। उसके विरुद्ध एक पक्षीय वसूली आदेश कोलकाता न्यायालय से प्राप्त करके ट्रैक्टर लोन की वसूली धनराशि प्राप्त करने हेतु एक वाद जिला जज ऊधमसिंह नगर के न्यायालय में दायर कर दिया। उक्त ट्रैक्टर लोन की धनराशि अदायगी का नोटिस जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बरेली से प्राप्त होने के खिलाफ उसने उपरोक्त लोगों से बात की लेकिन संतोष जनक उत्तर नहीं मिला। पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।



गदरपुर से बाबा अमरनाथ की यात्रा पर जत्था रवाना

गदरपुर (उद संवाददाता)। बाबा बर्फानी अमरनाथ गुफा जमू कश्मीर की यात्रा के लिए वार्ड नंबर 4/7 सभासद रोहित सुहामा के नेतृत्व में जत्था रवाना हुआ। सुदामा ने बताया की लागतार 15 वर्षों से बाबा अमरनाथ की 10 दिवसीय यात्रा हेतु बाबा के श्रद्धालु नैजवानों का जत्था ले जाकर बाबा की अनुकूल प्राप्त की जाती है इस दैरान सचिन बत्रा, सुनील अरोरा, राजेश तनेजा, सत्या शर्मा, पीयूष अरोरा, केशव गुम्बर, योगेश छावडा, कुनाल ग्रोवर, रोहित सुहामा, गौरव कुकरेजा, रिंगू राजू फुटेला आदि शामिल थे।

भारत विकास परिषद ने किया निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। भारत विकास परिषद द्वारा स्थापित दिवस पर शहर के प्रमुख डॉक्टरों के सहयोग से वहुचिकित्सीय निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजित किया गया। जिसका शुभारम्भ मुख्य अतिथि विधायक शिव अरोरा द्वारा दीप फ्रजलित कर किया गया। इस मौके पर विधायक ने अपने संबोधन में कहा कि भारत विकास परिषद पिछले कई वर्षों से जनमानस की सेवार्थ कई प्रकार के कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। जिसमें निःशुल्क जांच व दवाईयां



वितरण की जाती है। जिसका सीधा लाभ आम जनमानस को मिलता है। उन्होंने कहा कि भारत विकासपरिषद

विकास परिषद का पहला उद्देश्य है। जिसका मौके पर विधायक के अध्यक्ष वीके सक्सेना, सचिव कीर्ति निधि शर्मा, कोषाध्यक्ष केवल



कृष्ण, परिषद के प्रमुख हरनाम चौधरी, मनोज अरोरा, शरद मोहन गुप्ता, संजीव अरोरा, काजल सिंघल, नरेंद्र अरोरा, भारत भूषण चुध, अमित गंधीर, विशाल गोयल, रेखा अरोरा आदि उपस्थित थे। इसके अतिरिक्त चिकित्सा शिविर में सेवाएं देने वालों में डा. प्रदीप अदलखा, डा. सोनिया अदलखा, डा. निमेष गुप्ता, डा. वीपी गुप्ता डा. अनु उपस्थित थे।

मंत्रिमंडलविस्तार: लगनेलगा 'आउटऔरइन' का गुणा भाग

अर्थ-

उत्तरांचल के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की दिल्ली यात्रा और वहाँ उनकी प्रधानमंत्री, गुरुमंत्री, पार्टी अध्यक्ष और पार्टी महासचिव से भेंट के बाद से ही उत्तरांचल सरकार के विस्तार के कायास लगाए जाने लगे थे, मगर बीते रोज मुख्यमंत्री की राज्यपाल से मुलाकात ने धामी मंत्रिमंडल के विस्तार की चर्चाओं को अब और भी हवा दे दी है तथा भरी बरसात में मुख्यमंत्री की राज्यपाल से मुलाकात तरह उत्तरांचल में तीन मंत्रियों की जगह खाली थी, लेकिन चंदन रामदास और प्रेमचंद्र अग्रवाल शामिल थे। इस हवा दे दी है तथा भरी बरसात में मुख्यमंत्री की राज्यपाल से मुलाकात के बाद राजनीतिक गलियारां में बकायदा कौन होगा आउट और कौन होगा इन का गुणा भाग भी लगाया जाने लगा है। विदित हो कि उत्तरांचल में मुख्यमंत्री सहित 12 सदस्यों का मंत्रिमंडल है। पिछले साल 23 मार्च को जब मुख्यमंत्री के रूप में पुष्कर सिंह धामी ने शपथ ली थी, तब

धामी मंत्रिमंडल में 6 नए चेहरों को किया जा सकता हैं शामिल, 2 मंत्रियों को हटाने की भी तेज हुई चर्चायें



उनके साथ आठ विधायकों ने भी मंत्री पद की शपथ ग्रहण की थी। जिनमें सतपाल महाराज, डॉं धन सिंह रावत, गणेश जोशी, सौरभ बहुगुणा, रेखा आर्य, सुबोध उनियाल, चंदन रामदास और प्रेमचंद्र अग्रवाल शामिल थे। इस तरह उत्तरांचल में तीन मंत्रियों की जगह खाली थी, लेकिन चंदन रामदास के निधन के बाद खाली स्थानों की संख्या अब चार हो गई है। मगर राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि उत्तरांचल में प्रस्तावित मंत्रिमंडल के विस्तार में

चार की बजाए छह नए मंत्री बनाए जा सकते हैं और इसके लिए सूबे के दो मंत्रियों की छुट्टी की जा सकती है और त्रिष्णिकेश में भाजपा कार्यकर्ता से बीच

को मंत्री पद से हटाया जाएगा उन्हें सड़क में मारपीट प्रकरण सहित कई मामलों में मंत्री प्रेमचंद्र अग्रवाल के कारण सरकार की काफी किरकिरी हो चुकी है। वहाँ पर्यटन मंत्री सतपाल

महाराज को लेकर भी अक्सर विवाद की स्थिति बनी रहती है। कांवर यात्रा सीजन के दौरान भी पर्यटन मंत्री नदारद होने से सरकार को काफी फजीहत उठानी पड़ी। ऐसे में माना जा रहा है कि महाराज और प्रेमचंद्र अग्रवाल मंत्रिमंडल से आउट हो सकते हैं। ऐसे में कुछ नए चेहरों को कैबिनेट में जगह मिल सकती है। बागेश्वर के विधायक एवं कैबिनेट मंत्री चंदन रामदास के निधन के बाद इस आरक्षित सीट पर किसी आरक्षित चेहरे को ही मंत्री पद दिया जा सकता है। कुमाऊं से नैनीताल विधायक सरिता आर्य अथवा देहरादून से विधायक खजानदास आरक्षित सीट पर आ सकते हैं। यह भी चर्चा है कि अगर देहरादून से किसी मंत्री को हटाया गया तो देहरादून से ही किसी और विधायक की किस्मत जाग सकती है। इस क्रम में विधायक उमेश शर्मा काऊ का नाम प्रमुखता से लिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त विधायक शिव अरोरा, अरविन्द पांडेय, दिलीप रावत, खजान दास, विनेद चमोली, राम सिंह कैडा, सुरेश गढ़िया, मुना सिंह चौहान भी मंत्री पद के साकृदार माने जा रहे हैं। हालांकि शीर्ष नेतृत्व से कई दौर की वार्ता के बाद भी राज्य के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के मंत्रिमंडल का के विस्तार को लेकर रहस्यमई चुप्पी अभी भी बरकरार है, फिर भी राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा भी आम है कि बीजेपी के फैसले अक्सर चौकाने वाले ही होते हैं तिहाजा संभावित मंत्रिमंडल विस्तार में भी कुछ अप्रत्याशित निकलकर सामने आ सकता है।

नंगे पैर बाबा बर्फनी के दर्शन कर लौटी डॉ. शीला की उतारी आरती

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। आज के वक्त में जहाँ अधिकतर लोग खुद तक सिमट कर रहे हैं, खुन के रिश्ते नाते तक उन्हें बोझिल से लग रहे हैं। आस पड़ोस के लोगों से दूरी सी है और हर कोई सोशल मीडिया पर ही अपने होने न होने का एहसास कर रहा है। ऐसे वक्त में बीते दिनों शहर की आदर्श नगर कॉलोनी में जो घटा वो मिसाल बन गया। शिवभक्तों की आस्था के केंद्र बाबा बर्फनी और माता वैष्णो देवी के दर्शन कर लौटी डॉ. शीला अधिकारी का आदर्शनगर कॉलोनी की दर्जनों इंजाओं ने फूलमाला और चुन्नी ओढ़ाकर स्वागत किया और आरती भी उतारी। इस दौरान हर हर महादेव, जय बाबा बर्फनी और जय माता दी के जयकारों से माहौल गुंजायमान हो गया। जिसने भी यह नजारा देखा वह इस खूबसूरत सामाजिक रिश्ते नातों



सभी अपने घरों से फूलमाला, दिया बाती और चुन्नी लेकर गांठ से खड़ी हो

साथ खड़ी रहती है। कोरोना काल इस बात का गवाह है। यही वजह है कि कॉलोनी और क्षेत्र के लोग शीला को अपने परिवार का सदस्य मानते हैं। इस दौरान कई बुजुर्ग महिलाएं भावुक हो गईं। वहाँ डॉ. शीला अधिकारी ने बताया कि उन्हें अमरनाथ यात्रा के पहले ही दिन बाबा बर्फनी के दर्शन करने का सौभाग्य मिला। पूरी यात्रा के दौरान भारतीय सेना के जवानों की सेवा और सहयोग से वह अभिभूत नजर आई। उन्होंने बताया कि भगवान शिव में अगाध आस्था की वजह से वह पहले भी दो बार बाबा बर्फनी के दर्शन कर चुकी हैं। उन्होंने बताया कि कुछ वर्ष पूर्व उनके माता पिता का निधन हो गया। तब से कॉलोनी की माताओं से उन्हें खूब प्यार और ममता मिली। वह व्हाट्सएप स्टेटस के जरिए यात्रा की पल पल की जानकारी के साथ सभी से जुड़ी हुई

हजारों बच्चों को दे चुकी हैं निशुल्क शिक्षा

हल्द्वानी। बताते चलें कि डॉ. शीला अधिकारी लंबे समय से सामाजिक कार्यों से जुड़ी हैं। उनका फोकस हमेशा समाज के निचले तबके के लोगों का हित करने का रहता है। जिसे अधिकतर लोग नजरअंदाज कर देते हैं। तीन दशक से भी अधिक समय से अध्यापन कार्य से जुड़ी डॉ. शीला अधिकारी अब तक हजारों स्कूली बच्चों और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं को अंग्रेजी साहित्य और व्याकरण के अलावा बाल मनोविज्ञान की निःशुल्क शिक्षा दे चुकी हैं। यही वजह है कि कॉलोनी और क्षेत्र के लोग उनके सामाजिक कार्यों की तारीफ करते नहीं थकते। उन्हें सभी से प्यार और सहयोग मिलता है।

यात्रा में कुमाऊंनी पिछोड़ा बना आकर्षण का केंद्र

हल्द्वानी। डॉ. शीला अधिकारी ने बताया कि बाबा बर्फनी और मां वैष्णो देवी की यात्रा उन्होंने नंगे पैर पूरी की। इस दौरान हर पल कुमाऊंनी पिछोड़ा पहने रखा। उन्होंने बताया कि यात्रा के दौरान कई लोगों ने सुख और सौभाग्य के प्रतीक पिछोड़े को लेकर पूछा। उन्होंने सभी की जिज्ञासा को शांत किया और देवभूमि उत्तरांचल की संस्कृति से रूबरू कराया। यात्रा के दौरान एक नेशनल न्यूज चैनल द्वारा लिए गए डॉ. शीला के इंटरव्यू का वीडियो भी वायरल हुआ। थीं। स्वागत करने वालों में शांति कपिल, तारा खुल्वे, कुसुम शर्मा, बीना जोशी, विमला अधिकारी, राधा उपाध्याय, बसंती ढेला, पम्मी वर्मा, हेमा खोलिया, अंबिका मेलकानी, ललिता डालाकोटी, सवित्री बिष्ट, गीता नयाल आदि रहे।



GURU MAA ENTERPRISES



0% BAJAJ FINSERV

Guru Maa Enterprises

AC चाहिए ?
आधार लाये,
उधार ले जायें...

UP TO 50% OFF
सबसे ज्यादा कैशबैक
0% ब्याज गुरु फाइनेंस
खट्टीदारी के दिलीवरी

हल्द्वानी

• तिकोनिया • चर्च कम्पाउंड • पिली कोठी
मो- 9837077682 मो- 9690256666 मो- 9997207007

रुद्रपुर

काशीपुर बाईपास रोड
मो- 9927682338, 9668869000

काशीपुर

• चीमा चौराहा • रामनगर रोड
मो- 7455045084 मो- 8917161111

गदरपुर

गुरुनानक इंटरप्राइजेज
पंजाबी कालांगी गांवी मो- 9927850999

उत्तरांचल दर्पण सम्पादकीय

डेटा संरक्षण कानून

इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के तेजी से बढ़ते उपयोग को देखते हुए लोगों के व्यक्तिगत ब्योरों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई गई थी। इसी के महेनजर स्विकृति डेटा संरक्षण अधिनियम बनाया गया था। मगर उसमें खामियां होने की वजह से बड़े पैमाने पर लोगों और व्यावसायिक संगठनों ने एतराज जताया था। इसलिए सरकार ने उस अधिनियम को वापस ले लिया था। पिछले साल इसमें संशोधन करके लोगों की राय लेने का प्रयास किया गया और उसी के आधार पर अब इसे अंतिम रूप दे दिया गया है। केंद्रीय मर्तिमंडल ने डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण विधेयक 2023 को मंजूरी दे दी है और इसके मानसून सत्र में कानूनी रूप पर जाने की उम्मीद है। इस विधेयक में व्यक्तिगत डेटा का दुरुपयोग करने वालों पर भारी जुर्माने और आम लोगों को मुआवजे का दावा करने का प्रावधान किया गया है। इसमें अलग-अलग पांच प्रकार के दंड निर्धारित किए गए हैं। माना जा रहा है कि अब इस विधेयक पर एतराज की गुंजाइश नहीं रह गई है। मगर देखना है कि इस विधेयक को कितने पारदर्शी और व्यावहारिक ढंग से लागू किया जा पाता है, ताकि लोगों के व्यक्तिगत डेटा में सेंध लगाने वालों पर नकेल कसी जा सके। दरअसल, डिजिटल उपकरणों के बढ़ते उपयोग के बीच बहुत सारी कंपनियां और डेटा चोरी करने वाले लोगों के व्यक्तिगत ब्योरों की चारी करते देखे गए हैं। इसके चलते बहुत सारे लोगों के साथ धोखाधड़ी भी होती है। बहुत सारी कंपनियां, संस्थान खुद लोगों से जो व्यक्तिगत विवरण मांगते हैं, उन्हें दूसरी व्यावसायिक कंपनियों को मामूली पैसे पर बेच देते हैं। ऐसे में लोगों की अपने व्यक्तिगत विवरणों की सुरक्षा को लेकर चिंता बनी हुई थी। इसी चिंता को दूर करने के लिए नया विधेयक लाया जा रहा है। हालांकि व्यावसायिक कंपनियों को एतराज था कि चूंकि वे लोगों के व्यक्तिगत डेटा अपने उपयोग के लिए जमाकरती हैं, इसलिए अगर उनके व्यावसायिक उपयोग पर रोक लगेगी तो उनके कारोबार पर असर पड़ेगा। मगर सरकार ने उनके एतराज को नजरअंदाज कर दिया है। यहां तक कि सरकारी संस्थानों को भी इसके दायरे से बाहर नहीं रखा जाता है। जाहिर है, इस विधेयक के कानूनी रूप में लागू हो जाने के बाद कंपनियों के मनमाने तरीके से लोगों के व्यक्तिगत डेटा के उपयोग पर अंकुश लगेगा। वे नाहक लोगों को फोन करके परेशान करने से भी बचेंगी। सबसे चिंता की बात लोगों के मोबाइल फोन, मेल, कंप्यूटर आदि से उनका व्यक्तिगत डेटा चोरी करके उनके बैंक जमा खाते या दूसरी तरह की जमाओं में सेंधमारी करने वालों पर नकेल करना है। पिछले दिनों जब फोन पर संदेश आदि के जरिए इस तरह की सेंधमारी करने वालों पर नकेल करने से भी बचेंगी।

चरण परखारना राजनीतिक उदारता का चरम

आजकल मूर्ति विसर्जन की राजनीति देशव्यापी चर्चा का विशय है। अच्छा होता है इसे राष्ट्रीय विमर्श का विषय बनाया जाता था क्योंकि राजनीति में कहीं बढ़ा यह समाज का प्रश्न है। लेकिन जिस समाज को प्रश्न बनाकर इसका हल खोजें की जरूरत थी एवं वह बोट बैंक की देहरी पर आकर जर्मांदोज हो गई। बावजूद मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवाराज सिंह चौहान की खुले मन से प्रशंसा करनी होगी कि उन्होंने पीड़ित आदिवासी दशमत रावत को राज.प्रासाद में अतिथि बनाकर चरण पखारे एजल माथे पर लगाया। पुश्पहार पहनाया ए शाल और श्रीफल देकर आरती उतारी। बाद में साढ़े छह लाख रुपए भी दिए। भगवान कृष्ण ने अपने अकिञ्चन मित्र सुदामा के साथ यही व्यवहार किया था। आज नेता ही लाचार के भगवान हैं। हालांकि सुदामा न तो कोई पीड़ित व्यक्ति थे और न ही उनके चरण कृष्ण और रुक्मणी ने किसी भूल के पश्चाताप में पखारे थे। परंतु सुदामा आर्थिक रूप से दरिद्र थे और दरिद्रता की मजबूरी ऐसी विवशत है जो सुदामा जैसे दीन, हीन को कृष्ण की नगरी द्वारिका खिंच ले गई। जबकि अपने ऊपर किए नितांत अमानवीय कृत्य मूर्ति विसर्जन से पीड़ित दशमत को मुख्यमंत्री क्षमा याचना के लिए राज भवन बुलवाते हैं। गरीब के अपमान को निमूर्त करने के परिप्रेक्ष्य में ऐसी भावना किसी राजनेता के अंगन में पहले कभी नहीं देखी गई। वाकई इसी प्रकार की क्षमा प्रार्थना सामाजिक विकृतियों को दूर करने के सार्थक उपाय बन सकते हैं। मगर राजनीति के विस्तृत पटल पर कितने नेताओं में यह लोक कल्याणकारी उदारता है कि वे उदार मन से मैले, कच्चे ले पैर पखारने को तत्पर हो जाएं। निसदेह यह घटना मानवता के शर्मसार करने वाली है। कानून एक इवरात भर है एवं लेकिन इंसानियत सम्मत की एक ऐसी भाव भूमि है जो कि सिंह भी परिस्थिति में एक इंसान को दूसरे इंसान पर मूतने का अधिकार नहीं देती है। तथापि भाजपा विधायक केदारनाथ शुक्ला के प्रतिनिधि प्रवेश शुक्ला ने निम्नतम घटना को अंजाम तक पहुंचाया। निश्चित ही यह उच्छृंखलत अक्षम्य अपराध है। शराब के नशे के साथ सत्ता का नशा और उच्च जाति के अहंकार से जुड़े विकार भी इस घटना के कारकों में शामिल हैं। अतएव न केवल वह लघुशका करता है एवं बल्कि दबांगत का प्रदर्शन करते हुए अपने मित्र से मोबाइल, वीडियो भी बनवाता है हालांकि यह प्रमाणित हो गया है कि वीडियो छह माह पुराना है एवं लेकिन इससे अपराध कम नहीं हो जाता। यहीं वीडियो एक ऐसा प्रमाण है जो एक नहीं एक साथ दो घटनाओं का कारण बना। दरअसल प्रवेश ने अपने जिन



सुझावों के लिये संस्कृत के शिक्षाविदों एवं विद्वानों की कमेटी बनायें : राज्यपाल

दे हरादून (उद संवादादाता)। राज्यपाल लैफिटरेंट जनरल गुरुमीत सिंह (से नि) की अध्यक्षता में राजभवन में संस्कृत शिक्षा को उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत समाहित किए जाने के संबंध में बैठक हुई। इस बैठक में उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह गवत् सहित शासन बैठक कर समाधान निकाला जाएगा। इस दौरान सचिव संस्कृत शिक्षा चंद्रेश कुमार ने कहा कि संस्कृत महाविद्यालयों में यूजीसी के मानकों के अनुरूप फैलर्ट की नियुक्ति न होना इसका मुख्य कारण है। राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखण्ड आने के पश्चात संस्कृत शिक्षा को उच्च शिक्षण

में रखा जाना चाहिए। इसके लिए वह उच्च शिक्षा विभाग में हो या संस्कृत शिक्षा विभाग में हो। उन्होंने कहा कि इस प्रकरण हेतु मुख्य सचिव के सुझाव के अनुरूप संस्कृत के शिक्षाविदों एवं विद्वानों की एक कमेटी बनाई जाय। यह कमेटी संपर्ण तथ्यों का अध्ययन कर कि उत्तर प्रदेश के संमूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय सहित दिल्ली स्थित केंद्रीय विश्वविद्यालयों से भी सुझाव लिए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि संस्कृत हमारी द्वितीय राजभाषा है इसके समेकित विकास के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। संस्कृत शिक्षा के गणवित्तापर्ण



विभाग के अंतर्गत लाए जाने हेतु कूलपति, संस्कृत शिक्षकों एवं छात्रों द्वारा, उनके शैक्षणिक हितों को देखते हुए बार-बार निवेदन किया जाता रहा है। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य संस्कृत भाषा के समेकित विकास एवं उन्नयन को ध्यान अपनी रिपोर्ट तीन माह में प्रस्तुत करेगी। इसके पश्चात कमेटी की रिपोर्ट के पश्चात बैठक कर प्रकरण पर उचित कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस हेतु शासन स्तर पर भी विधिक परीक्षण कराया जाए। राज्यपाल ने कहा अध्ययन, अध्यापन एवं उन्नयन में कोई कार्रवाई करने वाली नहीं थी। इस बैठक में उच्च शिक्षा सचिव शैलेश बगौली, सचिव श्री राज्यपाल रविनाथ रामन, विधि परामर्शी अमित कुमार सिंहरोही, सचिव न्याय नरेन्द्र दत्त आदि उपस्थित रहे।

परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों की हुई सघन चेकिंग

अल्पोड़ा। (उत्तराखण्ड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के अधीन आयोजित होने वाली स्नातक स्तरीय विभिन्न विभाग के पदों पर चयन हुतु लिखित परीक्षा केंद्रों पर पुलिस बल को अलंकृत मोड़ पर रखा गया है सभी परीक्षा केंद्रों में अल्पोड़ा पुलिस द्वारा परीक्षार्थियों की सघनतेकिंगकाजारही है, आमकड़ी खबरअफवाह फैलाने वालों पर भी सतर्क दृष्टि रखी जा रही है। श्री रामचन्द्र राजगुरु एसएसपी अल्पोड़ा द्वारा आज उत्तराखण्ड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के अधीन आयोजित होने वाली



गई। जनपद एलआईयू वएसओजी

अध्ययन, अध्यापन एवं उन्नयन में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जाएगी। इस बैठक में उच्च शिक्षा सचिव शैलेश बगौली, सचिव श्री राज्यपाल रविनाथ रामन, विधि परामर्शी अमित कुमार सिरोही, सचिव न्याय नरेन्द्र दत्त आदि उपस्थित रहे।

प्रैतिक उदारता का चरम पहनाई और मंह में मानव मल भी भर नाटक नौटंकी करके पाप धोने में लगे हैं। बनने की उम्मीद की जा सकेगी। किंतु

दिया। यह घटना भी वायरल हुए वीडियो से चर्चा में आई। पुलिस ने तत्परता से प्राथमिकी दर्ज की और सांतों को गिरफ्तार कर जेल भी भेज दिया। बावजूद इस घटना पर दिग्गज नेता कमलनाथ और दिग्गजय सिंह के मुंह पर ताला पड़ा रहा। क्योंकि उन्हें डर था कि कहाँ मुस्लिम बोट प्रभावित न हो जाए घृत यह ऐ मूरू। विसर्जन को लेकर जो राजनीति हो रही है वह निश्पक्ष नहीं है। सामाजिक न्याय की अंतरभावना उसमें अंतर्निहित नहीं है। मध्यप्रदेश में करीब 22 प्रतिशत आदिवासी आबादी है। साफ है आदिवासी एक बड़ा बोट, बैंक हैं। यही वजह रही कि कांग्रेस ने मुदे को लपका और उछालकर राष्ट्रीय स्तर का मुद्दा बना भी दिया। सामाजिक न्याय, अन्याय के जुमले उछाले जाने लगे। कमलनाथ बोले एशियाराज सिंह चौहान 18 साल से सत्तारुद्ध हैं। किंतु कानून व्यवस्था बदहाल है। आदिवासी भाइयों को न्याय नहीं मिल गया है। शिवराज परंतु धुलेंगे नहीं। उनकी आत्मा सच्ची हांती तो कैमरे पर नौटंकी नहीं करते। शुद्धिली बैठी प्रियंका गांधी ने तो आदिवासी अत्याचार के आंकड़े भी गिना दिए। श्वाजपा विधायक के एक करीबी द्वारा आदिवासी युवक के साथ की गई अमानवीय हरकत बे हद शर्मनाक है। प्रदेश में भाजपा के 18 साल के सासान में आदिवासियों पर अत्याचार के तीस हजार चार सौ मामले सामने आए हैं। लेकिन उन्होंने केवल मध्यप्रदेश के आंकड़े गिनाए। जबकि आदिवासी और दलितों के विरुद्ध अपराधों की संख्या पूरे देश में निरंतर बढ़ रही है। भारत में 1989 अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति अत्याचार संबंधी कानून अस्तित्व में आया था। इसमें कठोर प्रावधान भी रेखांकित हैं। दलित मानवाधिकार सुक्ष्म नेटवर्क को रिपोर्ट बताती है कि 1991 से 2021 के दौरान अनुसूचित जाति के लोगों के खिलाफ अपराधों की संख्या में 177.6 प्रतिशत दुर्भाग्य है कि राजनीति इस खाई को चौड़ा करने का काम कर रही है। गोया वाकई राजनीतिक नेरुत्व सामाजिक विशेषता और अर्थात् विसंगति के भेद दूर करना चाहता है तो उसे उदार मन से शिवराज सिंह चौहान का ही अनुकरण करना होगा। चरण धोना और जल को माथे से लगाना बोट की खातिर किया गया आडंबर ही सही। यह जातिगत जड़ता को तोड़ने का एक दुस्साहस भरी पहली भी है। इसे अमल में लाने के लिए भी एक संवेदनशील हृदय और करुणा से भरा ऐसा मन चाहिए। जो पीड़ित दशमत की वेदना को खुद में अनुभव कर रहा हो। प्रत्येक समर्थ व्यक्ति को अपनी अंतरात्मा में यह अनुभूति करने की जरूरत है कि वर्चित ए गरीब ए दलित और बनवासी का अपमान मेरा भी आपमान है। तब कहीं समरसता की शुरूआत होगी। इस समरसता के लिए शिवराज ने तो पैर धोए पानी माथे से लगाया ए गम ने तो

सच्ची गतरोश् ने तो डंडे भी के एक ने साथ बेहद ३ साल याचार समाप्त यथप्रदेश दंवासी यों की ही है। त और संबंधी इसमें दलित रिपोर्ट दौरान बलाफ विश्वासी धि में राय के नात की रिकॉर्ड भी इन प्रत्येक चार के न कोई ल की कंकारए त इस दरेने का नितिक दुर्भाग्य है कि राजनीति इस खाई को चौड़ा करने का काम कर रही है। गोया वाकई राजनीतिक नेतृत्व सामाजिक विशमता और आर्थिक विसंगति के भेद दूर करना चाहता है तो उसे उदार मन से शिवराज सिंह चौहान का ही अनुकरण करना होगा। चरण धोना और जल को माथे से लगाना वोट की खातिर किया गया आडंबर ही सहीए यह जातिगत जड़ता को तोड़ने का एक दुस्साहस भरी पहल भी है। इसे अपल में लाने के लिए भी एक संवेदनशील हृदय और करुणा से भरा ऐसा मन चाहिए जो पीड़ित दशमत की वेदना को खुद में अनुभव कर रहा हो। प्रत्येक समर्थ व्यक्ति को अपनी अंतरात्मा में यह अनुभूति करने की जरूरत है कि वर्चितए गरीबए दलित और बनवासी का अपमान मेरा भी आपमान है ए तब कहीं समरसता की शुरुआत होगी। इस समरसता के लिए शिवराज ने तो पैर धोए पानी माथे से लगायाए राम ने तो सीता की खोज में शबरी के झूठे बेर भी खाए थे ए जिससे बनवासियों को लगे कि राम उनके अपने हैं। यही अपानपन शिवराज ने दशमत के पैर पखाकर जताया है। महात्मा गांधी ने दुनिया को कोई मौलिक संदेश या सिद्धांत देने का दावा नहीं किया। केवल उन्होंने अपने आचरण के क्रियान्वयन से वह मार्ग दिखायाए जिस पर चलकर समस्त प्राणियों के हित की साधना की जा सकती है। इसलिए उन्होंने कहा मेरा जीवन ही संदेश है। शिवराज सिंह ने यही संदेश देने की कोशिश भर की है।

प्रमोद भार्गव
लेखक ए साहित्यकार एवं
विमिल पत्रकाम देवे ।



Live Healthy... Live Nature...

Live in Kashi Garden



UKREPO5230000497

काशी गैर्डन

आवासीय प्लॉट एवं विला



रेरा एप्रूव्ड कॉलोनी



40 एवं 30 फीट की सड़कें



4 पार्क



गेट बंद कॉलोनी



सीव्रेज व्यवस्था



ए-क्लास इन्फ्रास्ट्रक्चर



90 प्रतिशत तक ऋण सुविधा

साईट ऑफिस - शिमला पिस्तौर, डीपीएस स्कूल के पास, रुद्रपुर



86504-18000